हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वदिद्यालय, कानपुर की शोध एवं विकास परिषद् की दिनांक अगस्त 23, 2025 दिन शनिवार को अपरान्ह 03:00 बजे विश्वविद्यालय के समिति कक्ष में सम्पन्न द्वितीय बैठक का कार्यवृत्तः

शोध एवं विकास परिषद् की द्वितीय बैठक में निम्नलिखित सदस्यगण ऑफलाइन/ऑनलाइन वीडियो कान्फ्रेन्सिंग माध्यम से उपस्थित हुयेः

Sr. No.	Details of the Member	Position in the R&D Council
1.	Prof. Samsher, Vice Chancellor HBTU, Kanpur	Chairman
2.	Prof. Vandana Dixit Kaushik Dean, CEIQA HBTU, Kanpur	Member
3.	Prof. Rajesh Verma, Mechanical Engineering Department HBTU, Kanpur	Member
4.	Prof. Ashish Kumar Singh Department of Electrical Engineering MNNIT, Prayagraj U.P.	Member
5.	Mr. M. D. Mathur MD Farelabs, Gurugram, Haryana	Member
6.	Mr. Madhup Agarwal, Technical Head, IndiaMART InterMESH Limited Noida – 201305 U.P.	Member
7.	Mr. Vivek Gupta Scientist-F, Ministry of Development of North Eastern Region (MoDONER), Informatics Division, NIC, Delhi	Member
8.	Prof. Bhola Nath Professor & Head, Community and Family Medicine, AIIMS Raibareily, U.P.	Member
9.	Prof. Raghuraj Singh Dean, Research & Development HBTU, Kanpur	Member

बैठक में निम्नलिखित सदस्य उपस्थित नही हो सके :

1.	Mr. R.K. Jalan Chairman, CLE, E-56, Panki Site-3 Panki Industrial Area, Kanpur-208022, U.P.	Member
2.	Prof. Amey Karkare Computer Science & Engineering Department IIT, Kanpur, U.P.	Member

Scanned with OKEN Scanner

मा0 कुलपति महोदय द्वारा शोध एवं विकास परिषद् के समस्त उपस्थित सम्मानित सदस्यों का स्वागत करते हुये उन्हें विश्वविद्यालय की शोध एवं विकास परिषद् की दिनांक 30.05.2019 को सम्पन्न प्रथम बैठक के बाद विश्वविद्यालय की निम्नलिखित गतिविधियों से अवगत कराया गया।

1. विश्वविद्यालय को 2023 में NAAC द्वारा A+ ग्रेड प्राप्त हुआ जो 9 जून 2028 तक मान्य हैं।
2. यू0जी0सी ने विश्वविद्यालय को 12बी का दर्जा प्रदान किया है तथा विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एआईयू) का सदस्य भी बन गया है।
3. विश्वविद्यालय को आईआईआरएफ द्वारा राज्य विश्वविद्यालय श्रेणी में प्रथम तथा एनआईआरएफ द्वारा 51–100 का दर्जा दिया गया है।
4. इंडिया टुडे ने अखिल भारतीय श्रेणी में विश्वविद्यालय को 23 वां स्थान दिया है।
5. 2021, 2022, 2023, 2024 और 2025 में भर्ती को 5 अलग–अलग दौर में लगभग 80 नए संकाय सदस्यों की भर्ती की गई है।
6. दो नए स्कूल अर्थात् स्कूल ऑफ एंटरप्रेन्योरशिप एण्ड मैनेजमेंट स्टडीज (एसओईएम) स्कूल ऑफ फार्मास्युटिकल एण्ड बायोलॉजिकल साइंसेज (एसओपीबीएस) और एसओईएम के तहत एमबीए, बीबीए और एसओपीबीएस में बी0फार्मा0 और बायोटेक0 चलाए जा रहे है।
7. स्कूल ऑफ बेसिक एण्ड एप्लाइड साइंसेज के अंतर्गत तीनों विभागों और गणित विभाग में एमएससी कार्यक्रम भी शुरू किए गए है तथा एक यू0जी0 कार्यक्रम बीएस–एमएस भी शुरू किया गया है।
8. स्कूल ऑफ इंजी0 एवं स्कूल ऑफ केमिकल टेक0 में कुछ एम0टेक0 कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।
9. परीक्षा सुधार भी किए गए हैं, जिनमें यूएफएम नियम को और अधिक कठोर बनाना तथा सभी छात्रों के लिए कैरीओवर/विशेष कैरीओवर परीक्षा का प्रावधान भी शामिल हैं।
10. बुनियादी ढांचे में, रासायनिक अभियांत्रिकी विभाग और इलेक्ट्रानिक्स अभियांत्रिकी विभाग को नवनिर्मित दो अलग–अलग भवनों में स्थानांतरित कर दिया गया है। इन दोनों विभागों द्वारा पुराने स्थानों पर छोड़ी गई जगह अन्य विभागों को दे दी गई है।
11. कम्प्यूटर विज्ञान एवं इंजी0 विभाग, उद्यमिता एवं प्रबंधन स्कूल तथा बैडमिंटन हॉल का विस्तार कार्य प्रगति पर है।
12. क्रमशः 800 और 300 क्षमता वाले दो ऑडोटोरियम का निर्माण किया गया है और उनका उपयोग किया जा रहा है।
13. एक बालिका छात्रावास जिसकी क्षमता 198 तथा एक बालक छात्रावास जिसकी क्षमता 115 है, का निर्माण किया गया है तथा वे उपयोग में हैं।

Scanned with OKEN Scanner

14. सड़क चौड़ीकरण तथा प्रयोगशालाओं/घरों का नवीनीकरण कार्य किया जा चुका है, तथा कुछ प्रयोगशालाओं/घरों में कार्य प्रगति पर हैं।
15. राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों/उद्योगों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं। विश्वविद्यालय द्वारा INFLIBNET (सूचना और पुस्तकालय नेटवर्क) के साथ भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं और ONOS (एक राष्ट्र एक सदस्यता) सहित उनकी अन्य सुविधाओं तक हमारी पहुँच हो गई हैं।
16. समावेशिता और विविधता सुनिश्चित करने के लिए अन्य राज्यों और विदेशी नागरिकों के छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा हैं।
17. पिछले वर्ष लगभग 450 शोध पत्र प्रकाशित हुए तथा लगभग 20 पेंटेंट प्रकशित/प्रदान किये गये।
18. शोधार्थियों की संख्या में भी पर्याप्त वृद्धि हुई है तथा उन्हें विश्वविद्यालय द्वारा 15000 रूपये प्रतिमाह की फैलोशिप भी शुरू की गई है। शोध छात्र/छात्राओं का प्रवेश सम/विषम दोनों सेमेस्टर में लिया जाता हैं।
19. शोध को प्रोत्साहित करने के लिए शोध उत्कृष्टता पुरस्कार शुरू किए गए हैं। यू0जी0/पी0जी0 और पी0एच0डी0 छात्रों को उनके शोध कार्यों के लिए प्रारंभिक धनराशि भी प्रदान की जा रही हैं।
20. विश्वविद्यालय में प्लेसमेंट बहुत अच्छा है लगभग 85% योग्य छात्रों को विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट मिल रहा हैं।
21. हमारे पूर्व छात्रों ने भी योगदान देना शुरू कर दिया है। जयपुर के जेवीएस फूड्स के श्री मेहनोत ने फूड टेक्नोलॉजी से संबंधित लगभग 65 लाख रूपये के उपकरण प्रदान किए हैं, PACT (पेंट एण्ड कोटिंग टेक्नोलॉजिस्ट एसोसिएशन) ने लगभग 50 लाख रूपये तथा 1999 बैच के पूर्व छात्रों द्वारा 9 लाख रूपये की लागत वाली एम्बुलेंस दान की गई हैं।
22. परामर्श कार्य भी अच्छी मात्रा में प्राप्त हुआ है, पिछले वर्ष लगभग 4–5 करोड़।
23. अनुसंधान प्रोत्साहन और अन्य नीतियाँ, अध्यादेशों में संशोधन जैसी नीतियाँ लागू की गई हैं।
24. वित्तीय रूप से विश्वविद्यालय का व्यय 2019–20 में 53.97 करोड़ रूपये के वार्षिक बजट के संदर्भ में बढ़कर 2025–26 में 123.59 करोड़ रूपये हो गया हैं।
25. छात्रों की संख्या 2019 में लगभग 2500 से बढ़कर 2025 में लगभग 4500 हो गई हैं।

मद सं0 2.01 **विश्वविद्यालय की शोध एवं विकास परिषद् की दिनांक 30.05.2019 को सम्पन्न प्रथम बैठक के कार्यवृत्त का पुष्टीकरण।**

परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय की शोध एवं विकास परिषद् की दिनांक 30.05.2019 को सम्पन्न प्रथम बैठक के कार्यवृत्त का पुष्टीकरण किया गया।

Scanned with OKEN Scanner

मद सं0 2.02 **विश्वविद्यालय की शोध एवं विकास परिषद की दिनांक 30.05.2019 को सम्पन्न प्रथम बैठक में लिए गये निर्णयों पर कृत कार्यवाही का विवरण।**

परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय की शोध एवं विकास परिषद की दिनांक 30.05.2019 को सम्पन्न प्रथम बैठक में निर्णयों लिये गये निर्णयों पर कृतवाही का संज्ञान लेते हुए विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास संबंधित गतिविधियों के सफल संचालन हेतु एक केन्द्रीय शोध प्रयोगशाला स्थापित किये जाने हेतु परामर्श दिया गया।

मद सं0 2.03 **विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 उपाधि हेतु शैक्षिक सत्र 2023–24 से लागू अध्यादेश के संबंध में सूचना।**

विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 उपाधि हेतु शैक्षिक सत्र 2023–24 से लागू अध्यादेश से परिषद् संज्ञानित हुयी।

मद सं0 2.04 **विश्वविद्यालय में पोस्ट डाक्टरल फैलोशिप प्रोग्राम प्रारम्भ किये जाने हेतु तैयार की गई नीति के संबंध में सूचना।**

विश्वविद्यालय में पोस्ट डाक्टरल फैलोशिप प्रोग्राम प्रारम्भ किये जाने हेतु तैयार की गई नीति का परिषद् द्वारा संज्ञान लिया गया।

मद सं0 2.05 **विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 की विभिन्न विषयों के लिए गठित SRAC समितियों का विवरण।**

विश्वविद्यालय में पी0एच0डी0 की विभिन्न विषयों के लिए गठित SRAC समितियों का परिषद् द्वारा संज्ञान लिया गया।

मद सं0 2.06 **विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों के बीच सम्पन्न एम0ओ0यू0 का विवरण।**

विश्वविद्यालय एवं अन्य संस्थानों/औद्योगिक प्रतिष्ठानों के मध्य विगत 3 वर्षों में सम्पन्न कुल 43 एम0ओ0यू0 की परिषद् द्वारा सराहना की गयी।

मद सं0 2.07 **विश्वविद्यालय में विगत 3 वर्षों में विभिन्न राज्य स्तरीय/केन्द्रीय /निजी वित्तपोषण संस्थाओं से प्राप्त शोध परियोजनाओं का विवरण।**

विश्वविद्यालय में विगत 3 वर्षों में प्राप्त शोध परियोजनाओं से परिषद् अवगत हुयी।

मद सं0 2.08 **विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विगत 3 वर्षों में अर्जित किये गये पेटेन्ट का विवरण।**

विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विगत 3 वर्षों में अर्जित किये गये कुल 29 पेटेन्ट की परिषद् द्वारा सराहना की गयी।

Scanned with OKEN Scanner

मद सं0 2.09 **विश्वविद्यालय में विगत 3 वर्षों में अलग–अलग विषयों में पी0एच0डी0 उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं की सूची।**

विगत 3 वर्षों में अलग–अलग विषयों में पी0एच0डी0 उपाधि प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं की संख्या से परिषद् संज्ञानित हुयी।

मद सं0 2.10 **विश्वविद्यालय में अलग–अलग विधाओं में अध्ययनरत पी0एच0डी0 छात्र/छात्राओं का विवरण।**

परिषद् द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विधाओं में अध्ययनरत पी0एच0डी0 छात्र/छात्राओं के विवरण का संज्ञान लिया गया।

मद सं0 2.11 **विश्वविद्यालय में वर्ष 2023 एवं 2024 में शोध उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों का विवरण।**

परिषद् द्वारा वर्ष 2023 एवं 2024 में शोध उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों के विवरण से अवगत हुयी।

मद सं0 2.12 **विश्वविद्यालय में शोध को बढावा देने हेतु बनाई गई शोध प्रोत्साहन नीति की सूचना।**

परिषद् द्वारा शोध प्रोत्साहन नीति को विस्तार पूर्वक तैयार करते हुये शोध एवं विकास परिषद् की अगली बैठक में प्रस्तुत किये जाने हेतु परामर्श दिया गया।

मद सं0 2.13 **विश्वविद्यालय में Academic Integrity and Prevention of Plagiarism हेतु तैयार की गई नीति की सूचना।**

विश्वविद्यालय में Academic Integrity and Prevention of Plagiarism हेतु तैयार की गई नीति की सूचना से परिषद् अवगत हुयी।

मद सं0 2.14 **विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विगत 2 वर्षों में प्रकाशित शोध पत्रों, पुस्तक–अध्यायों, पुस्तको एवं राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठीयों में दिये गये व्याख्यानों का विवरण।**

विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा विगत 2 वर्षों में प्रकाशित शोध पत्रों, पुस्तक–अध्यायों, पुस्तको एवं राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठीयों में दिये गये व्याख्यानों का विवरण अपूर्ण होने के दृष्टिगत परिषद् द्वारा इस प्रकार की व्यवस्था सुनिश्चित किये जाने हेतु परामर्श दिया जिसमें शिक्षक स्वयं अपनी उपलब्धियों को विश्वविद्यालय की Repository (कोष) में ऑनलाइन भर सकें।

Scanned with OKEN Scanner

मद सं0 2.15 **शोध उत्कृष्टता पुरूष्कार हेतु निर्धारित दिशा निर्देशों में बदलाव के संबंध में।**

समय की अपर्याप्यतता के दृष्टिगत परिषद् द्वारा वर्ष 2025 के शोध उत्कृष्टता पुरूष्कार वर्तमान नीति के आधार पर ही दिये जाने हेतु अनुमोदन प्रदान किया। साथ ही वर्तमान शोध उत्कृष्टता पुरूष्कार नीति को परिमार्जित कर परिषद् की अगली बैठक में प्रस्तुत किये जाने हेतु निर्देशित किया।

मद सं0 2.16 **विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय /केन्द्रीय /निजी वित्तपोषण संस्थाआओं से प्राप्त शोध परियोजनाओं में नियुक्त होने वाले शोध सहायको को उनकी योग्यतानुसार M.Tech. या Ph.D. में प्रवेश दिये जाने के संबंध में।**

शोध परियोजनाओं में शोध सहायको की उपलब्धता सुनिश्चित किये जाने हेतु शोध सहायको को अतिरिक्त प्रोत्साहन के रूप में उनकी योग्यतानुसार बिना किसी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित हुये प्रवेश नियमो के आधार पर M.Tech. या Ph.D. में प्रवेश दिये जाने के प्रस्ताव पर परिषद् द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

उक्त के अतिरिक्त इस माध्यम से एम0टेक0 तथा पी0एच0डी0 में प्रवेश प्राप्त शोध छात्र/छात्राओं को पर्यवेक्षण के दृष्टिकोण से अतिरिक्त छात्र/छात्रा के रूप में माने जाने पर भी परिषद् ने अनुमोदन प्रदान किया।

मद सं0 2.17 **अध्यक्ष महोदय की अनुमति से अन्य पर विचार।**

परिषद् ने सम्यक विचारोपरान्त विश्वविद्यालय में शोध एवं विकास को बढ़ावा देने के उददे्श्य से निम्नलिखित सुझाव दिये।

(क) विश्वविद्यालय स्तर पर एक शोध समिति का गठन किया जाये, जो ख्याति प्राप्त संस्थानो एवं उद्योगों का भ्रमण कर शोध एवं विकास के संबंध में एम0ओ0यू0 किये जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करेंगी।

(ख) विश्वविद्यालय में समय–समय पर Research Interaction के लिए Research Industry Meet का आयोजन किया जाय, जिसमें Funding Agencies के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाय।

Dean,Research and Development
H.B.T.U., Kanpur-2

Approved
29.8.2025
DC(R&D)

कुलपति
हरकोर्ट बटलर प्राविधिक विश्वविद्यालय
कानपुर-2